अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar, Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र
सितम्बर, 2024
अंक 314

अध्यक्षीय आह्वान

।।क्षमा रूपी अमृत का करें रसपान, मिटे कलुषता हो आत्मोत्थान।।

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान संस्कृति है। इस संस्कृति में लौकिक, आचार व्यवहार, विचार, पर्व एवं उत्सव के समानान्तर ही अध्यात्म को भी महत्व दिया गया है। अध्यात्मिक और लौकिक दोनों ही दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण पर्व हमारी संस्कृति में समाहित है जो जीवन में नई ऊर्जा भरते है। इस माह आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से भी जैनत्व का प्रतीक पर्वाधिराज पर्युषण पर्व हमारे सामने है। यह पर्व आंतरिक शुद्धि और अध्यात्म जागरण का महत्वपूर्ण सौपान है। पर्युषण पर्व की अष्ट दिवसीय साधना से लाखों साधक अपनी चेतना को पवित्र एवं उज्ज्वल बनाने का प्रयास करते है। कर्म निर्जरा का अमोघ शस्त्र तपस्या भी पर्युषण में विशेष रूप से की जाती है। पर्युषण पर्व हमें समता भाव की विशेष आराधना का भरपूर लाभ उठाने का अवसर देता है। निर्मल भावों की इस विकास यात्रा में हम स्वयं जप-तप करें और अनुमोदना करें तथा शक्ति का संचय कर श्री-सम्पन्न बनें। जिस प्रकार हम दीपावली पर्व पर अपने घर-आंगन के हर कोने को स्वच्छता से प्रकाशित करते हैं उसी प्रकार इस पर्युषण पर्व पर भी हम अपने असली घर यानि आत्मा को भी, कर्म-रज-मल से दूर हटाकर स्वच्छ बनाएंगे, ऐसा विश्वास है।

बहिनों! जीवन में समता भाव से जीना भी विशिष्ट कला है। समता भाव यानि- ज्ञाता-दृष्टा भाव को जी पाना। परिस्थिति जनित विविध द्वंदों- सुख-दुख, लाभ-हानि, निंदा-प्रशंसा, जन्म-मरण आदि में आत्मस्थ भाव के साथ सम रह पाने की क्षमता का नाम है- साम्य की साधना। **आचार्यश्री महाप्रज्ञजी** द्वारा निर्देशित एक सुक्ति **'रहें भीतर-जीएं बाहर'** पर अमल करें तो जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। जीवन में लालसा, कामना और इच्छाओं का परिष्कार करना बहुत जरूरी है। इस दृष्टि से हम प्रतिक्रमण करते समय जीवन में भी संयम की भावना करते हैं।

बहिनों! पर्युषण महापर्व की त्यागमय आराधना के साथ क्षमा याचना का पर्व भी हमारी आत्मा को ग्रंथिमुक्त करने का एक विशिष्ट उपक्रम है। क्षमा के इस महान पर्व पर **क्षमा के महासागर वीतराग मूर्ति परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी** के प्रति हृदय की अनन्त गहराई से सम्पूर्ण महिला समाज की ओर से करबद्ध क्षमायाचना। वत्सलता की प्रतिमूर्ति **श्रद्धेय साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी**, मुख्य मुनि प्रवर, **साध्वीवर्या जी** के प्रति अंतर्मन से क्षमायाचना। चतुर्विध धर्मसंघ के प्रति विनयभाव से क्षमायाचना। साथ-साथ रहते- कहते- सुनते- सुनाते, कार्य करते हुए कहीं भी कुछ ऐसा हुआ हो जिससे आपके हृदय को प्रत्यक्ष-परोक्ष, किसी भी तरह की ठेस लगी हो तो मैं आप सभी बहिनों से सविनय, करबद्ध, खमत-खामना करती हूँ। आशा है मैत्री का यह पर्व हमारे सौहार्द भरे स्नेह सूत्र को और प्रगाढ़ बनाएगा। इसी भावना के साथ-

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

POWERHOUSE

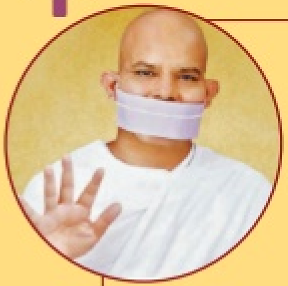

रोज की एक सलाह

अपनी सारी कमियों को एक साथ न छोड़ सको तो एक-एक कमी को दूर करने का प्रयास करो।

एक पाप करना पड़ जाए तो झूठ बोलकर दूसरा पाप तो मत करो।

जिसमें विनम्रता, अनाग्रह और सामंजस्य की भावना होती है, वह सफल हो सकता है।

-आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

श्राविका गौरव अलंकरण एवं सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2024 की घोषणा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा तेरापंथ धर्म संघ की किसी विशिष्ट श्राविका को 'श्राविका गौरव अलंकरण' से अलंकृत किया जाता है एवं किसी एक महिला और एक कन्या को निर्दिष्ट अर्हताओं के अनुसार 'सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार' से भी सम्मानित किया जाता है।

इस वर्ष के लिए उपरोक्त दोनों अलंकरण एवं पुरस्कार के लिए परमपूज्य आचार्य प्रवर की पावन सन्निधि में सूरत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने दिनांक 28 अगस्त, 2024 को निम्न घोषणाएं की-

श्राविका गौरव अलंकरण

इस वर्ष लाडनूं निवासी
सुश्री कमला कठोतिया
को 'श्राविका गौरव अलंकरण'
प्रदान करने की घोषणा की गई।

सुश्री कमला कठोतिया

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार, 2024

डॉ. श्रीमती तारा दूगड़
प्रोफेसर एवं
विशिष्ट साहित्यकार

इस वर्ष यह पुरस्कार
सरदारशहर निवासी, कोलकाता प्रवासी
डॉ. तारा दूगड़
एवं बालोतरा निवासी
सुश्री नीतू चोपड़ा
को प्रदान करने की
घोषणा की गई।

सुश्री नीतू चोपड़ा
मोटिवेशनल स्पीकर, सामाजिक कार्यकर्ता
महिला सुरक्षा कोच, लेखक/ब्लॉगर
वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर राइडर यात्री एवं अन्वेषक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 49वें वार्षिक अधिवेशन पर दिनांक 21 सितम्बर, 2024 को सूरत में परमपूज्य आचार्य प्रवर के पावन सान्निध्य में उपरोक्त अलंकरण एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय अधिवेशन
20, 21, 22 सितम्बर, 2024 सूरत (गुजरात)

युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 49वां राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आगामी 20, 21, 22 सितम्बर, 2024 को सूरत (गुजरात) में समायोजित हो रहा है। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में यथासंभव शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारी की सहभागिता रहे। यदि किसी कारणवश पदाधिकारी नहीं आ सके तो कार्यसमिति सदस्यों की सहभागिता का लक्ष्य रखें।

शाखा मंडल के ध्यानार्थ :

- छोटे शाखा मंडल से अधिकतम 3 सदस्य और बड़े शाखा मंडल से अधिकतम 5 सदस्य संभागी बन सकेंगे।
- शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकरियों को ही सम्मिलित होने हेतु प्राथमिकता दें।
- पंजीकरण शुल्क मात्र रु. 1100/- (ग्यारह सौ रुपए मात्र) प्रति संभागी है।
- संभागी 20 सितम्बर, 2024 को प्रातः 10 बजे तक पहुँचने का लक्ष्य रखें।
- पंजीकरण प्रातः 8 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक रहेगा।
- संभागी अपने क्षेत्र का मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
- संभागी ओढ़ने-बिछाने एवं सामायिक उपकरण साथ लेकर पधारें।
- 22 सितम्बर, 2024 को मध्याह्न भोजन पश्चात् संभागी प्रस्थान कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र :

श्रीमती नीतू ओस्तवाल- 9257011205, निधि सेखानी- 9879633133

साधारण सदन की सूचना

माननीय सदस्यगण, दिनांकः 01.09.2024

सादर जय जिनेन्द्र !

सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के वर्ष 2023-2024 की साधारण सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में शनिवार, दिनांक 21 सितम्बर, 2024 को मध्याह्न 2.15 बजे से आचार्यश्री महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल, संयम विहार, सूरत में समायोजित है। बैठक में आपकी उपस्थिति सादर अपेक्षित है।

विषय-सूची (Agenda)

1. नमस्कार महामंत्र
2. प्रेरणा गीत
3. गत साधारण सदन की कार्यवाही का वाचन एवं पुष्टि
4. अध्यक्षीय वक्तव्य
5. मंत्री प्रतिवेदन की प्रस्तुति एवं पुष्टि
6. कोषाध्यक्ष द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 के अंकेक्षित आय-व्यय का ब्यौरा एवं स्वीकरण
7. संविधान का वाचन
8. विविध- अध्यक्ष की अनुमति से
9. आभार ज्ञापन

भवदीय
नीतू ओस्तवाल
महामंत्री

तेरापंथ कन्या मंडल

करणीय कार्य - सितम्बर माह

स्नेहिल कन्याओं,

सादर जय जिनेन्द्र,

मेरा आपके साथ गत एक वर्ष का अनुभव और सभी कार्यशालाओं में प्रत्यक्ष मिलना, एक सुखद अनुभव रहा। शब्दों की तुला से उसे व्याख्यायित करना अपने आप में एक श्रमसाध्य कार्य है। पर मैं इतना अवश्य कहूंगी कि अनेक कार्यों की सकारात्मकता से परिपूर्णता, कन्याओं का अदम्य उत्साह, गतिविधियों की उपलब्धि पूर्ण निष्पत्ति- अपने आप में सफलता के द्योतक है। सभी कन्या मंडलों की सहभागिता से उनके श्रम के मूल्यांकन एवं नवीन संकल्पों के नव उन्मेष के लिए लाडनूं, विजयनगर एवं फारबिसगंज में कार्यशालाओं का सफल समायोजन हुआ।

गुरुदेव की पावन सन्निधि एवं साध्वीप्रमुखा श्रीजी के मार्गदर्शन में **'ज्योतिर्मय'- Enlighten your self, Enlighten the World** 20वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन का सफल आयोजन सूरत में हुआ। पूज्य प्रवर से ऊर्जा ग्रहण के बाद अब हमारा दायित्व है कि हम हमारे भविष्य के सुनहरे पदचिह्न, संस्कारों से अंकित करें। सितम्बर माह में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व भी है। हम पर्युषण की आराधना कर आत्म शुद्धि का प्रयास करे। मंगल कामना।

आपकी दीदी- अदिति सेखानी

शीघ्र ही हम **'भिक्षु विचार दर्शन'** पुस्तक पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिसकी सूचना यथाशीघ्र आपको दे दी जाएगी।

सितम्बर माह : करणीय कार्य

पर्युषण महापर्व की आराधना में प्रतिदिन करणीय कार्य प्रेषित है।

https://forms.gle/F1Fv3SmV5Zf5y4D39

संयोजिका- काजल मादरेचा- 9699189216.

20वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन के प्रमुख उदार सहयोगी

समाज भूषण कल्याण मित्र बिशन दयाल गोयल परिवार
श्रीमान सुरेश-श्रीमती लता गोयल (कोलकाता)

-※-

श्रीमान कन्हैयालाल-श्रीमती कमलेश बोथरा, श्रीमान विकास-श्रीमती मनीषा बोथरा
लाडनूं - इस्लामपुर

-※-

कांति कुमार दुगड़ मेमोरियल ट्रस्ट (जयपुर)
मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती बिमला दुगड़

-※-

श्रद्धानिष्ठ श्रावक स्व. श्री मालचन्द जी, श्रीमती माँगी देवी घोड़ावत परिवार
डॉ. विजय सिंह-श्रीमती मंजू घोड़ावत, श्रीमान विमल सिंह-श्रीमती प्रभा घोड़ावत, बीदासर-इंदौर-लाडनूं

-※-

श्रीमान चैनरूप-श्रीमती अलका बैद, छापर - जयपुर

-※-

श्रद्धा की प्रतिमूर्ति धनी देवी सेठिया की स्मृति में
श्रीमती सरोज-श्रीमान बाबूलाल सेठिया, श्रीमती सरिता-श्रीमान हनुमानमल सेठिया, छापर-सूरत

-※-

श्रीमान अशोक-श्रीमती चंद्रकांता बैद, श्रीमान अभिषेक-श्रीमती नीलिमा बैद
मोहित एक्सपोर्ट्स, चूरू-जयपुर

-※-

तेरापंथ महिला मंडल, सूरत

सभी सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार।

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में 20वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 'ज्योतिर्मय' का आयोजन

27-28 अगस्त, 2024, सूरत।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल का महाराष्ट्र, मेवाड़, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, मध्य प्रदेश एवं गुजरात स्तरीय 20वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन **'ज्योतिर्मय' Enlighten yourself; Enlighten the World** का मंगल शंखनाद परम श्रद्धेय युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में पूज्य प्रवर के मुखारविंद से ओजस्वी मंगल पाठ श्रवण के साथ- श्रद्धेया साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में गुजरात की डायमंड सिटी सूरत में संयम विहार के पावन परिसर में दिनांक 27 अगस्त, 2024 को हुआ।

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन ज्योतिर्मय को अनंत ज्योति से आपूरित करने हेतु कन्याओं को परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पवित्र आभामंडल में कन्याओं को उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। परमपूज्य गुरुदेव ने फरमाया- आज का युग भौतिकता का युग है लेकिन भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता को भी अपनाना चाहिए। अपेक्षित आवश्यकताओं को संयमित कर तथा आध्यात्मिकता की भावना को जगा कर कन्याएं व्यक्तित्व का विकास कर सकती है। कन्याओं के मन में उमड़ती अनेक जिज्ञासाओं को गुरुदेव ने समाहित कर कन्याओं के मन को आश्वस्त किया। कन्याओं को ये अलौकिक अवसर प्राप्त हुआ जो उनके जीवन का एक स्वर्णिम पल बन गया। परमपूज्य आचार्य प्रवर ने ज्ञान, विकास हेतु णमो उवज्झायाणं के जप का प्रयोग बताया एवं धर्म, आस्था को सुदृढ़ रखने हेतु समाधान प्रदान करवाए। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने पूर्व में आयोजित तीन आंचलिक कार्यशालाओं की संक्षिप्त जानकारी गुरुदेव को निवेदित की। कन्या मंडल पर्वत पाटिया व उधना की कन्याओं ने पुराने गीतिकाओं के संगान द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

श्रद्धेय साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने अपने प्रेरक उद्‌बोधन में कन्याओं की अनंत संभावनाओं को

सिंचित करते हुए कहा कि कन्याओं में क्षमता है। उनमें असीम संभावनाएं हैं, बस उन्हें उचित वातावरण की आवश्यकता है। कन्याओं को अपनी शक्तियों को जागृत करने का प्रयत्न करना चाहिए। कन्याओं को ध्यान देना है कि हमें अपनी अंगुलियों को मोबाइल पर नहीं चलाना बल्कि उन्हें माला फेरते हुए भी चलाना है। अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के लिए सोने से आधा घंटे पूर्व मोबाइल आदि से निवृत्त होकर अपने संकल्प के बारे में अवश्य सोचे। **Competition, Ego** और जलन-द्वेष आदि से दूर रह कर मैत्री के भावों से अपने को भावित रखना है। प्रमुखाश्रीजी ने फरमाया कि बेटियाँ अपनी पढ़ाई के लिए देश के किसी भी कोने में जाए पर अपने संस्कारों को नहीं छोड़े बल्कि संस्कारों को वृद्धिगत करते रहे।

अधिवेशन के प्रथम सत्र अभ्युदयः अन्तर्निहित क्षमताओं का। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के द्वारा नमस्कार महामंत्र से सत्र की मंगल शुरुआत हुई। वृहद् मुम्बई की कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने ओजस्वी स्वागत वक्तव्य में कन्याओं को प्रेरणा देते हुए कहा- तेरापंथ की हर कन्या में रोशन होने की क्षमता है, उन्हें संस्कारों को नहीं भूलना है। नई टेक्नोलॉजी के साथ अपने संस्कारों का सामंजस्य स्थापित करते हुए अपने व्यक्तित्व का निर्माण करना है। अगर बेटियाँ अपने हाथों में संस्कारों की मशाल जगा ले तो वो समाज को, संसार को ज्योतिर्मय बना सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने परम पूज्य गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता के भाव व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागी कन्याओं का स्वागत किया।

अभातेममं चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने अपने हृदयोद्‌गार प्रकट करते हुए कहा कि ज्योतिर्मय वही होता है जो अपनी आत्मा को ज्योतिर्मय बनाने की ओर उर्ध्वमुखी हो। आज की बेटियाँ जागरूक है, वो ज्यादा से ज्यादा सफलता हासिल करना चाहती है। जो उनके उज्ज्वल व्यक्तित्व की निशानी है। कन्या मंडल की राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने अपने मन की बात करते हुए कहा कि तेरापंथ की हर कन्या धर्म संघ से जुड़कर जीवन को सार्थक बनाये। ज्योतिर्मय केवल एक शब्द ही नहीं वरन् जीवन का सार है। अपने वक्तव्य में कन्याओं के कर्तृत्व को उजागर करते हुए उनके द्वारा सम्पादित कार्यों को प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन सह संयोजिका श्रीमती सोनम बागरेचा ने किया। मुख्य अतिथि श्रीमती तनुश्री जैन ने अपने वक्तव्य में कन्याओं को मोटिवेट करते हुए कहा कि कन्याओं को हर परिस्थिति में अपने रिश्तों में बैलेंस करना तथा हर स्थिति में संतुष्ट रहना सीखना है। आपने कन्याओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। मुख्य अतिथि का परिचय सुश्री साक्षी जैन- उदयपुर ने दिया। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपने वक्तव्य में सूर्य का उदाहरण देते हुए कन्याओं को दीपक बताया और कहा प्रतिकूल परिस्थितियों में जो अनुकूल रहता है वह ज्योतिर्मय है। नकारात्मकता के बीच जो सकारात्मक रहता है वो ज्योतिर्मय है। एक उदाहरण के माध्यम से कन्याओं को सदैव आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, निवर्तमान अध्यक्ष एवं नए उपक्रम की संयोजिका श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा **Spiritual Enhancement Program** को लांच किया गया तथा इस कोर्स की पूरी जानकारी दी गई। संचालन श्रीमती सोनम बागरेचा ने एवं आभार ज्ञापन सुश्री अदिति परमार (कन्या मंडल, पर्वत पाटिया) ने किया।

द्वितीय सत्र 'ऊर्जस्विता' **Welcome to the new Era** का शुभारम्भ कन्या मंडल, इंदौर के मंगलाचरण से हुआ। प्रतिभागी कन्या मंडल एवं कन्याओं का परिचय रोचक प्रस्तुति से दिया गया जिसका संचालन सुश्री श्रेणी गेलड़ा- सूरत एवं सुश्री माही दूगड़- कटक ने किया। श्रद्धेय साध्वी प्रमुखाश्रीजी के सान्निध्य में आयोजित 'अन्वेषण' सत्र में सहभागी कन्याओं का परिचय एक नए अंदाज में करवाया गया। सत्र में तेरापंथ धर्म संघ की 9 साध्वी प्रमुखाओं पर एक आकर्षक एवं विशिष्ट क्विज प्रतियोगिता नई विधा से आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागी बहिनों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। चयनित 11 प्रतियोगियों के साथ विभिन्न चरणों में आयोजित इस क्विज में प्रथम प्रतिक्षा कांकरिया- पचपदरा, द्वितीय मनस्वी जैन- पर्वत पाटिया एवं तृतीय रिद्धी सिंघवी- पालघर रही। राकास श्रीमती पुष्पा बैद ने विजेताओं की घोषणा की। संचालन श्रीमती वर्षा लूणिया, श्रीमती सोनम बागरेचा व सुश्री आयुषी कोठारी ने किया। प्रतियोगिता को तैयार करने में अहमदाबाद कन्या मंडल का सक्रिय श्रम रहा। सहभागी सभी क्षेत्रों का सम्मान प्रशस्ति पत्र द्वारा किया। इसके साथ ही विभिन्न कार्यों तथा केन्द्र द्वारा भेजे गए विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए क्षेत्रीय कन्या मंडलों को सम्मानित किया गया।

Voice of KM के अंतर्गत कन्याओं की जिज्ञासाओं का समाधान राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा, सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने दिया। कुशल संचालन सुश्री विधि बरड़िया- रायपुर ने एवं आभार ज्ञापन प्राची बालड़- सूरत ने किया।

अधिवेशन के तृतीय सत्र आलोक- **Revive the Roots** का आयोजन श्रद्धेय साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी के सान्निध्य में सूरत कन्या मंडल के मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ। साध्वीवर्याजी ने अपने ऊर्जा से भरे वक्तव्य में उदाहरण देते हुए अपने संस्मरणों को

याद करते हुए प्रेरणा दी कि **Roots** को मजबूत करके ही हम जीवन के टावर को स्टेबल बना सकते है। कन्याओं में संस्कार सुदृढ़ हो। साध्वीवर्याजी ने कन्याओं को **Spiritual life**, **Personal life** और **Social Life** में सामंजस्य व तालमेल बिठाने की प्रेरणा दी एवं कन्याओं को सघन साधना शिविर में भाग लेने की भी प्रेरणा प्रदान की। सत्र का संचालन सुश्री काजल मादरेचा- एरोली ने एवं आभार ज्ञापन सुश्री तितिक्षा सिंघवी, सूरत ने किया। तत्पश्चात 50-50 कन्याओं के ग्रुपों को साध्वीश्री ख्यातयशाजी, कमनीय प्रभाजी, विशाल यशाजी, पुण्यप्रभा जी, प्रवीणप्रभाजी, मैत्री यशाजी एवं वैभव प्रभाजी ने आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान की।

द्वितीय दिन- का प्रथम सत्र 'अरुणोदय- जीवन बने ज्योतिर्मय'- दिनांक 28 अगस्त, 2024 को परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में महावीर समवसरण में आयोजित हुआ। परमपूज्य गुरुदेव की सन्निधि में अपने आराध्य की अभिवंदना कर कन्याएं आत्मविभोर हो रही थी। परमपूज्य गुरुदेव ने कन्याओं को प्रेरणा देते हुए कहा- भगवती में छः देवियों की प्रतिमा का उदाहरण आता है। कन्याओं को अपने जीवन में उन छः देवियों को आरोहित करना चाहिए। ये छः देवियाँ है- श्री देवी, ह्री देवी, धृति देवी, कीर्ति देवी, बुद्धि देवी, लक्ष्मी देवी। जीवन को ज्योतिर्मय बनाने के लिए आभावलय प्रशस्त रहे। जीवन में अनुशासन बना रहे। सहिष्णुता का भाव रहे। सदैव अच्छा काम करते रहे। बुद्धि का विकास हो एवं धार्मिक, आध्यात्मिक संपदा का जीवन में विकास हो। परम पूज्य गुरुदेव ने कन्याओं में प्रतिभा की संभावनाओं को व्यक्त करते हुए फरमाया कि महिला मंडल के हाथ में बहुत बड़ा दायित्व है कि वे कन्याओं के आध्यात्मिक, बौद्धिक, धार्मिक व चहुंमुखी व्यक्तित्व के विकास की ओर ध्यान देती रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने कन्या मंडल के कार्यों की गति प्रगति की जानकारी दी। अपने विचारों को व्यक्त करते हुए आपने कहा कि गुरुदेव आपके आशीर्वाद से चारों आंचलिक कार्यशालाएं अत्यंत सफल रही। बेटियाँ ना सिर्फ सामाजिक अपितु आध्यात्मिक गतिविधियों से भी जुड़कर अपने जीवन को ज्योतिर्मय बना रही है।

श्रद्धेय साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने कन्याओं पर अपने नेह की वर्षा करते हुए कहा कि कन्याओं को आगे बढ़ने के लिए कुछ गुण अपनाने होंगे, जिसमें पहला है- गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा को सदा जीवित रखना, दूसरा है- ज्ञान सम्पन्न बनना, तीसरा है- संस्कार सम्पन्न बनना, चौथा है- शील सम्पन्न बनना। कन्याओं का निरंतर किया गया पुरुषार्थ ही उन्हें ज्योतिर्मय बनाएगा।

राष्ट्रीय कन्या मंडल संयोजिका श्रीमती अदिति सेखानी ने वर्ष 2023-24 के कन्या मंडल प्रतिवेदन की प्रस्तुति दी एवं पदाधिकारियों ने वार्षिक प्रतिवेदन पूज्य चरणों में निवेदित किया। सूरत कन्या मंडल ने चौबीसी के 14वें गीत अनंतनाथ भगवान की प्रस्तुति दी। अधिवेशन का समापन पूज्यप्रवर के मंगल पाठ से हुआ। सभी प्रतिभागी कन्याओं को **Manage your emotions** बुक अध्ययन हेतु दी गई। अधिवेशन में कुल 73 शाखाओं से लगभग 500 कन्याओं ने सहभागिता दर्ज करवाई।

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन की सुंदर एवं समुचित व्यवस्थाओं में तेरापंथ महिला मंडल एवं तेरापंथ कन्या मंडल, सूरत का श्रम मुखर रहा। तेमम, सूरत के आतिथ्य ने सबका मन मोह लिया। अभातेमम की सूरत से जुड़ी बहिने श्रीमती कनक बरमेचा, श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती निधि सेखानी, श्रीमती राखी बैद, श्रीमती श्रेया बाफना, श्रीमती पूर्णिमा गादिया के साथ-साथ अभातेमम की अन्य प्रतिनिधि बहिनों ने सजगता से अपने दायित्व का निर्वहन किया। कन्या मंडल राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी, एवं सह प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा का विशेष श्रम रहा एवं आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति, सूरत का सम्पूर्ण व्यवस्थाओं में अच्छा सहयोग मिला। सबके प्रति हार्दिक आभार!

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में
दक्षिणांचल स्तरीय कन्या कार्यशाला
'ज्योतिर्मय' का आयोजन : विजयनगर, बंगलूरू

3-4 अगस्त, 2024, विजयनगर, बंगलूरू।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, विजयनगर द्वारा 'ज्योतिर्मय' Enlighten yourself Enlighten the World दो दिवसीय दक्षिणांचल स्तरीय कन्या कार्यशाला का शुभारंभ अर्हम् भवन, विजयनगर, बंगलूरू के प्रांगण में किया गया, जिसमें 21 क्षेत्रों से लगभग 250 कन्याओं ने भाग लिया। कार्यशाला का प्रथम सत्र 'अरुणोदय' Welcome to the New Era का शुभारंभ आचार्यश्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ठाणा 4 के पावन सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में कार्यशाला के लोगो (Logo) 'ज्योतिर्मय' के अनावरण के साथ किया गया। तेरापंथ कन्या मंडल विजयनगर द्वारा सुमधुर मंगलाचरण के बाद कन्या शक्ति को दर्शाते हुए वीडियो क्लिप के माध्यम से प्रस्तुति दी गई।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में कहा कि आज कन्याओं और महिला मंडल का जो स्वरूप हमारे सामने है वह गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के अथक परिश्रम और उर्वरक चिंतन का प्रतिफल है। शिक्षा के साथ-साथ कन्याएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है, ऐसे में करियर के साथ-साथ परिवार में भी सामंजस्य बनाए रखना है, जिसके लिए साध्वीश्रीजी ने तीन सूत्र दिए- कहना सीखो, रहना सीखो और सहना सीखो। परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी एवं साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन क्रमशः राकास श्रीमती माला कातरेला एवं श्रीमती अनिता बरड़िया ने किया। तेमम, विजयनगर की अध्यक्ष श्रीमती मंजू गादिया ने स्वागत वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि हमें अपने सफर की शुरुआत किसी न किसी बिंदु से करनी पड़ती है तभी मंजिल प्राप्त होती है। कन्याएं जीवन जीने की कला सीखते हुए नवीन सृजन की ओर कदम बढ़ाए। वर्तमान परिवेश में हम मॉडर्न बनने के चक्कर में अपनी जड़ों से भटक रहे है। ऐसे में चाहिए कि अपनी योग्यता और हुनर के साथ-साथ संस्कृति की गरिमा बनाए रखते हुए आगे बढ़े और ज्योतिर्मय बने। राष्ट्रीय कन्या प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने कहा कि उन्नत परिवार राष्ट्र और समाज में कन्या की अहम् भूमिका है। इसके लिए शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी ने 3S संस्कार, शक्ति और सुरक्षा तीन महत्वपूर्ण आयाम दिए, जिन्हें ध्यान में रखते हुए अपनी शक्ति का संवर्धन कर नए-नए सपनों को साकार देने की प्रेरणा दी। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपने ओजस्वी वक्तव्य के द्वारा कन्याओं से कहा कि ईश्वर ने सभी के भीतर कुछ ना कुछ योग्यता दी है। हमें अपने भीतर की शक्ति को पहचानना है, तभी हम स्वयं को ज्योतिर्मय बनाकर दूसरों को ज्योतिर्मय बना सकते है। राष्ट्रीय कन्या सह प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा ने कन्याओं की कार्य क्षमता और शक्ति को बताते हुए कहा कि यह कार्यशाला For the girls, By the girls, To the girls की थीम पर आधारित है।

स्थानीय तेरापंथी सभा अध्यक्ष श्री मंगल कोचर, तेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन मांडोत एवं टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री हिम्मत मांडोत ने शुभकामनाएं प्रेषित की। 'परिचय कन्या शक्ति का' के अंतर्गत कर्नाटक एवं तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्र तथा हैदराबाद की कन्याओं द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष सहयोग हेतु प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यशाला का दूसरा सत्र रहा 'तेजस्विता' Me and My Mandal, सत्र का शुभारंभ यशवंतपुर

कन्या मंडल द्वारा मंगलाचरण से किया गया। इस सत्र के अंतर्गत सात क्षेत्र की कन्याओं ने 'मेरे सपनों का कन्या मंडल' विषय पर अपनी प्रस्तुतियाँ दी। यह सत्र मुख्य रूप से **By the Girls, For the Girls, To the Girls** की थीम पर आधारित था। कार्यशाला का तीसरा सत्र रहा **Bridge Builder.** यह एक ग्रुप गेम सत्र रहा, जिसमें कन्याओं की 15 टीमों को विभिन्न विषयों पर एक निश्चित समय में **Reel** बनाने का काम दिया गया तथा एक गेम खिलाया गया। बेस्ट रील चयन के निर्णायक रहे कर्नाटक प्रभारी श्रीमती मधु कटारिया एवं तेलंगाना एवं केरल प्रभारी श्रीमती अनीता बरड़िया।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र 'आरोग्य' **Mindful Secrenity** का। श्रीमती पूनम दुगड़ ने आसन और शारीरिक क्रियाएं करवाई तथा उनके लाभ भी बताए। प्रेक्षा प्रशिक्षक श्री छत्रसिंह मालू ने ध्यान एवं प्राणायाम एवं श्रीमती नीता सेठिया ने महाप्राण ध्वनि के प्रयोग करवाए। कार्यशाला के अंतिम चरण 'अभ्युदय' **Roll Balance** का शुभारंभ मैसूर कन्या मंडल के मंगलाचरण से हुआ। यह सत्र तीन चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण **Stay update Stay secure**, जिसके मुख्य प्रशिक्षक रहे श्री आर.वी. रघु (**Director, ISACA**) जिनका परिचय दिया सुश्री प्रेक्षा पटावरी ने। प्रशिक्षक श्री आर.वी. रघु ने आए दिन होने वाले साइबर क्राइम की जानकारी देते हुए उनसे बचने के उपाय बताए एवं कन्याओं की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। सत्र का दूसरा चरण रहा पैनल चर्चा, जिसमें मुख्य पैनलिस्ट रही रंचिता गाँधी (फाउंडर एंड ब्रांड डायरेक्टर ए.टी. बॉक्स) एवं प्राची जैन (को-फाउंडर ए.टी. बॉक्स) तथा मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई श्रीमती मोनिका पिरगल (एम.डी. एट एन.एम. ग्रुप)। इसमें पैनलिस्ट द्वारा विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से कन्याएं किस प्रकार कार्य क्षेत्र एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच सामंजस्य बैठाएं, यह बताने का प्रयास किया गया। मुख्य वक्ता मोनिका ने बताया कि छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करते हुए अपने लक्ष्य की ओर सही दिशा में आगे बढ़े, सभी को साथ लेकर चले तथा गलतियों से सीखें, ना कि उस कार्य को छोड़ दें। इस चरण में मॉडरेटर की भूमिका श्रीमती सोनम बागरेचा एवं गदग कन्या मंडल से सुश्री तृप्ति कोठारी ने निभाई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता, पैनलिस्ट एवं मुख्य प्रशिक्षक का सम्मान मोमेंटो द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, राष्ट्रीय कन्या प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी, कन्या सह प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, राकास श्रीमती माला कातरेला, श्रीमती अनीता बरड़िया द्वारा सहभागी सभी क्षेत्रों का सम्मान प्रशस्ति पत्र द्वारा किया। इसके साथ ही विभिन्न कार्यों तथा केन्द्र द्वारा भेजे गए विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए क्षेत्रीय कन्या मंडलों को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागी कन्याओं को **Manage your emotions book** अध्ययन हेतु प्रदान की गई। अभातेममं द्वारा दक्षिणांचल स्तरीय कन्या कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्या मंडल, विजयनगर को सम्मानित किया गया। कार्यशाला को सफल बनाने में कार्यक्रम की निर्देशिका- अभातेममं पूर्व महामंत्री, राकास श्रीमती वीणा बैद, स्थानीय कन्या मंडल संयोजिका सुश्री ध्वनि गन्ना, सह संयोजिका सुश्री प्रियल बाबेल एवं उनकी पूरी टीम का विशेष श्रम रहा। कार्यशाला की संयोजिका श्रीमती प्रेम भंसाली ने आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों का संचालन सुश्री जाह्नवी कावड़िया- विजयनगर, सुश्री तन्वी मांडोत- विजयनगर, सुश्री भावना बागरेचा- हुबली, सुश्री चेष्टा समदड़िया- चैन्नई, सुश्री श्रुति जैन- कोयंबटूर ने किया एवं आभार ज्ञापन सुश्री चेष्टा बुरड़, नेहा दुग्गड़- चिकमंगलूर ने किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में
तेरापंथ महिला मंडल फारबिसगंज द्वारा आयोजित
आंचलिक कन्या कार्यशाला 'ज्योतिर्मय'

10-11 अगस्त, 2024, फारबिसगंज।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, फारबिसगंज द्वारा 'ज्योतिर्मय'- 'Enlighten yourself; Enlighten the World' साध्वीश्री स्वर्णरेखाजी के पावन सान्निध्य में व अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में असम, पश्चिम बंगाल, नेपाल, बिहार स्तरीय 17 क्षेत्र एवं 225 कन्याओं की सहभागिता के साथ आंचलिक कन्या कार्यशाला का शुभ शंखनाद हुआ। साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी से मंगल पाठ श्रवण कर 'फारबिसगंज की गली-गली, कन्याओं से खिली-खिली' गुंजित रैली का भव्य शुभारंभ किया गया।

प्रथम सत्र 'अरुणोदय- Welcome to the new Era' का विधिवत शुभारम्भ साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्रोच्चार के साथ हुआ। मंगलाचरण की प्रस्तुति तेरापंथ कन्या मंडल, पूर्वांचल कोलकाता द्वारा की गयी। कार्यशाला के लोगो (Logo) 'ज्योतिर्मय' का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं सम्पूर्ण अभातेममं टीम द्वारा किया गया। आचार्यश्री महाश्रमणजी के संदेश का वाचन राकास श्रीमती सुचित्रा छाजेड़ और साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन राकास श्रीमती संगीता बाफना ने किया। फारबिसगंज कन्या मंडल ने आगंतुक अतिथियों के स्वागत हेतु रोचक गीत की प्रस्तुति दी। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरिता सेठिया, मंत्री श्रीमती वीणा बैद, सभा अध्यक्ष श्रीमान महेन्द्र बैद, नेपाल बिहार सभा के मंत्री श्रीमान वीरेन्द्र संचेती ने स्वागत वक्तव्य दिया।

साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी ने अपने प्रेरक उद्‌बोधन से संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में ज्योतिर्मय बनने के लिए अपने जीवन में विलासिता को छोड़ सभ्यता और संस्कृति का पोषण करना होगा। साध्वीश्री सुधांशु प्रभाजी ने कन्याओं को प्रेरित करते हुए कहा कि ज्योतिर्मय बनने के लिए रूप से स्वरूप की खोज करनी होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कन्याओं को सामंजस्य के साथ व्यक्तित्व विकास को विकसित करना होगा व नई टेक्नोलॉजी को अपनाकर संस्कारों के साथ चलना होगा। संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी ने अपने हृदयोद्‌गार व्यक्त किए। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने अपने वक्तव्य द्वारा कन्याओं में जोश भरते हुए उनके कर्त्तृत्व को सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया। कन्या मंडल सहप्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यशाला for the girls, by the girls, to the girls theme पर है। 'परिचय कन्या शक्ति का' उत्तर हावड़ा कन्या मंडल से दिव्या नाहटा ने रोचकता से प्रस्तुत किया।

कार्यशाला का द्वितीय सत्र 'तेजस्विता Me and Mine Mandal' सत्र का शुभारंभ तेरापंथ कन्या मंडल, गुवाहाटी द्वारा मंगलाचरण से किया गया। By the girls for the girls के अंतर्गत काठमांडू, उत्तर हावड़ा, सिलीगुड़ी, गुलाबबाग, फारबिसगंज एवं गुवाहाटी क्षेत्रों से 'मेरे सपनों का कन्या मंडल' पर प्रस्तुति दी गई। कार्यशाला का सत्र "Bright builder" में गेम का आयोजन किया गया। कन्याओं को खेल के माध्यम से

अनेक बातों का प्रशिक्षण भी मिला। कार्यशाला का यह सत्र **'The Voice of KM'** के अंतर्गत जिज्ञासा समाधान के रूप में आपसी वार्तालाप किया गया। सभी की जिज्ञासाओं और विचारों को समाहित करते हुए साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी ने फरमाया कि पाश्चात्य संस्कृति को न अपनाकर स्वयं पर विश्वास एवं गुरु पर निष्ठा रखें।

कार्यशाला का सत्र **'आलोक : Revive the roots'** का शुभारंभ गुरु इंगित की आराधना करते हुए शनिवार सामायिक से किया गया। तत्पश्चात तेरापंथ कन्या मंडल, विराटनगर द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। साध्वीश्री सुधांशु प्रभाजी, साध्वीश्री स्वस्तिका श्रीजी एवं साध्वीश्री गौतमयशा जी ने अपने दिशा बोध में तेरापंथ की तीन शताब्दी के आचार्यों के बारे में बतलाते हुए एक शिक्षाप्रद गेम खिलाया। द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र **'आरोग्य- Way to Wellness'** में सुश्री भावना बैद ने बहुत सुंदर तरीके से आसन, प्राणायाम, फेस योगा का प्रशिक्षण दिया। अंतिम सत्र **'अभ्युदय- Role Balance'** का शुभारंभ तेरापंथ कन्या मंडल साउथ हावड़ा के मंगलाचरण से हुआ। राकास श्रीमती राखी बैद ने अपनी जन्मभूमि में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूरी टीम का स्वागत किया। साध्वीश्री स्वर्णरेखाजी ने अपने प्रेरक दिशा बोध के अंतर्गत फरमाया कि आई को हटाने वाले एवं **we** को जोड़ने वाले का अभ्युदय निश्चित है। अपने चरित्र को सुरक्षित रखना हमारी पवित्रता का टॉनिक है।

Managing Director of Nector Media के श्री वैभव नाहटा ने अपने वक्तव्य में सम्पूर्ण सदन को **Champian** बनने के गुण बताकर प्रभावित किया। **Soft skill trainer, Image consultant life coach and motivational speaker** शशि जैन दुगड़ ने कन्याओं को **personal branding** के बारे में बताया। 'सम्मान कन्याओं के कर्त्तृत्व का' में कन्याओं के वर्ष भर में किए हुए कृत कार्यों के पुरुषार्थ का मूल्यांकन कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने तेमम, फारबिसगंज के श्रम एवं सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया तथा अभातेमम की ओर से प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। सभी प्रतिभागी कन्याओं को अभातेमम की ओर से **Manage your emotions** बुक दी गई। इस अवसर पर स्थानीय सभा मंत्री श्री मनोज भंसाली, कार्यशाला संयोजिका श्रीमती कुसुम भंसाली, स्थानीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती विनीता बैंगानी एवं वरिष्ठ श्रावक श्री निर्मल मरोठी ने अपने विचार व्यक्त किए।

विभिन्न सत्रों का कुशल संचालन सुश्री जागृति जैन- काठमांडू, सुश्री दिव्या नाहटा- उत्तर हावड़ा, सुश्री सौम्या जैन- काठमांडू, सुश्री दीक्षा जैन- पूर्वांचल कोलकाता, सुश्री समृद्धि जैन- अररिया कोर्ट, सुश्री जागृति चौरड़िया- साउथ हावड़ा, सुश्री साक्षी गिड़िया- साउथ हावड़ा, सुश्री राशि नाहटा- साउथ कोलकाता, सुश्री अर्चिता राखेचा- उत्तर हावड़ा एवं आभार ज्ञापन सुश्री हर्षा डागा- फारबिसगंज ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यशाला की समायोजना में फारबिसगंज तेरापंथ सभा, तेमम की अध्यक्ष श्रीमती सरिता सेठिया और उनकी टीम, तेयुप, कन्या मंडल सभी का उल्लेखनीय श्रम रहा, सबके प्रति हार्दिक आभार। कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी, सह-प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, राकास श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती मनीषा बोथरा, श्रीमती संगीता बाफना, श्रीमती अनुपमा नाहटा, श्रीमती राखी बैद, श्रीमती सुचित्रा छाजेड़ सहित स्थानीय संघीय सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में

तेरापंथ महिला मंडल किशनगंज द्वारा बिहार स्तरीय

मेरा परिवार - मेरी जिम्मेदारी कार्यशाला का आयोजन

9 अगस्त, 2024, किशनगंज (बिहार)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेमम, किशनगंज द्वारा आयोजित बिहार स्तरीय आंचलिक कार्यशाला मेरा परिवार – मेरी जिम्मेदारी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से किया गया। तत्पश्चात मंगलाचरण का संगान हुआ। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन राकास श्रीमती राखी बैद ने किया। मंडल की बहिनों द्वारा स्वागत गीतिका एवं स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष दुगड़ ने भावों से सभी अतिथियों का स्वागत, अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में बहिनें शिक्षा के साथ–साथ स्वावलंबन की दृष्टि से जॉब से भी जुड़ी है। उन्हें घर परिवार को भी साथ लेकर अपनी जिम्मेदारी समझनी है और तालमेल के साथ दायित्व निभाना है। मुख्य वक्ता अभातेयुप के महामंत्री श्री अमित नाहटा ने कहा कि एक परिवार में मानसिक, शारीरिक एवं वित्तीय तीनों तरीके से इंसान को फिट एवं मजबूत होना चाहिए। इससे वे अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को अड़िग रख सकते हैं। संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी ने भी अपने विचारों की प्रस्तुति दी। नवयुवती बहिनों द्वारा आज की जटिल समस्याओं के आधार पर परिसंवाद की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में राकास श्रीमती संगीता बाफना, श्रीमती अनुपमा नाहटा, श्रीमती सुचित्रा छाजेड़, श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती मनीषा बोथरा की गरिमामय उपस्थिति रही।

भिक्षु सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमान राजकरण दफ्तरी, नेपाल बिहार तेरापंथी सभा के अध्यक्ष श्रीमान चैनरूप दुगड़, स्थानीय तेरापंथी सभा अध्यक्ष श्रीमान विजयकरण दफ्तरी, तेयुप के अध्यक्ष श्रीमान रोहित दफ्तरी, TPF के अध्यक्ष श्रीमान विनीत दफ्तरी ने महिला मंडल को कार्यशाला के आयोजन पर बहुत–बहुत बधाई दी। कार्यशाला में किशनगंज के साथ गुलाबबाग, खुश्कीबाग, कटिहार, भट्टा बाजार, मधुबनी, भागलपुर, निर्मली, सुपौल, अररियाकोर्ट, बहादुरगंज, बिशनपुर, जोकी हाट, बायसी, ठाकुरगंज, दलखोला से बहिनों की उपस्थिति रही। संभागी 14 क्षेत्रों को अभातेमम टीम द्वारा सर्टिफिकेट दिए गए। अभातेमम पदाधिकारियों ने बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यशाला में लगभग 300 बहिनों व भाइयों की उपस्थिति रही। कार्यशाला का संचालन श्रीमती ममता बैद एवं आभार ज्ञापन संयोजिका श्रीमती हार्षिला छोरियां ने किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में
तेरापंथ महिला मंडल सिलीगुड़ी द्वारा बंगाल स्तरीय
मेरा परिवार - मेरी जिम्मेदारी कार्यशाला का आयोजन

8 अगस्त, 2024, सिलीगुड़ी।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, सिलीगुड़ी द्वारा बंगाल स्तरीय आंचलिक कार्यशाला 'मेरा परिवार-मेरी जिम्मेदारी' का आयोजन मुनिश्री डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार जी के मंगल सान्निध्य में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में किया गया।

मुनिश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से प्रारंभ कार्यशाला में स्थानीय मंडल की बहिनों द्वारा प्रेरणा गीत से मंगलाचरण की प्रस्तुति हुई। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के मंगल संदेश का वाचन राकास श्रीमती संगीता बाफना द्वारा किया गया। युवती बहिनों द्वारा सुमधुर स्वागत गीतिका प्रस्तुत की गई। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता घोसल ने सभी पधारे हुए अतिथियों का स्वागत किया। मुनिश्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि यदि परिवार में सभी व्यक्ति अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करे तो परिवार का संचालन व्यवस्थित रूप से हो सकता है। प्रत्येक नारी की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को आत्मनिर्भर व सुसंस्कारी बनाएं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी संस्कृति, हमारा समाज, हमारी परम्पराएं कहीं ना कहीं लुप्त होती जा रही है। ऐसे में हमारे बच्चों में जो कुरीतियाँ आ रही है उसे दूर करना बहुत जरूरी है, जिसमें हर एक नारी को अपने बच्चों में संस्कार डालना, अपने परिवार को अपने धर्म से जोड़ना है। ये कार्य एक नारी के अलावा और कोई नहीं कर सकता है। संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी ने कहा कि हमारी प्रथम जिम्मेदारी परिवार होना चाहिए, परिवार ही सच्ची सम्पदा है। स्थानीय मंडल की बहिनों एवं कन्याओं द्वारा आज के परिपेक्ष्य पर आधारित सुंदर मंचीय प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर राकास श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती अनुपमा नाहटा, श्रीमती सुचित्रा छाजेड़, श्रीमती मनीषा बोथरा, श्रीमती राखी बैद की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यशाला में सिलीगुड़ी के साथ 17 क्षेत्र भी संभागी बने। सभी को अभातेममं की अध्यक्ष व टीम द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यशाला में पधारी सभी बहिनों की जिज्ञासाओं का सरलतापूर्वक समाधान किया। लगभग 450 बहिनों व भाइयों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन सहमंत्री श्रीमती समता पगारिया एवं श्रीमती मनीषा डागा और आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती सुमन बैद द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर के कुल 6 पत्रकार एवं 5 ऑनलाइन न्यूज चैनल वालों ने कार्यशाला में शामिल होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं टीम के साथ प्रेस कांफ्रेंस की और मंडल की सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में
तेरापंथ महिला मंडल, पूर्वी दिल्ली द्वारा
'प्रवर्द्धन' महिला सेमिनार का आयोजन

21 अगस्त, 2024, दिल्ली।

साध्वी संगीत श्रीजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में पूर्वी दिल्ली महिला मंडल द्वारा प्रवर्द्धन महिला सेमिनार का आयोजन स्थानीय मेजबान बैंक्वेट हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्रीजी के द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ किया गया। मंडल की बहिनों द्वारा 'भीगी-भीगी उड़े रे गुलाल, स्वागत आज करां' गीत के द्वारा स्वागत किया गया। स्थानीय तेमम की बहिनों ने साथ मिलकर स्वागत गीत के माध्यम से पूर्वी दिल्ली में छाये अपार हर्ष को वीणा की तारों के माध्यम से व्यक्त किया। अध्यक्ष श्रीमती सरोज सिपानी ने भावों की प्रस्तुति से सबका स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कानून एवं न्याय मंत्री, भारत सरकार श्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने वक्तव्य में प्राचीन काल की विदुषी महिलाओं का स्मरण करते हुए कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। महिलाओं के उत्थान के लिए आचार्यश्री तुलसी के द्वारा दिए गए अवदानों का गुणगान करते हुए उनके द्वारा रचित गीतिका 'संयममय जीवन हो' के संगान द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने प्रवर्द्धन का महत्व समझाते हुए कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर आगे बढ़ती जा रही है। अनुशासन और जीवन मूल्यों का पाठ पढ़ने वाली हर महिला उतनी ही प्रबुद्ध है, जितने एक वैज्ञानिक और साहित्यकार प्रबुद्ध है। नारी सशक्तिकरण एवं नारी उत्थान से हम बहुत गर्वित है। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपने सारगर्भित सशक्त वक्तव्य में नारी की महिमा और शक्ति का गुणगान किया।

सेमिनार के द्वितीय सत्र में चर्चा परिचर्चा का

विशिष्ट आयोजन किया गया, जिसमें पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित थे डॉ. रमा शर्मा (प्रिंसिपल, हंसराज कॉलेज), डॉ. प्रोफेसर सुरभि ढींगरा, आस्था जैन (सह निदेशक, कोयला मंत्रालय), मरियम फारुकी (भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, सोशल मीडिया सह प्रभारी)। मॉडरेटर की कुशल भूमिका निभाई महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं दिल्ली व यूपी प्रभारी राकास श्रीमती सुनीता जैन ने। परिचर्चा में महिलाओं से संबंधित अनेक विषयों पर प्रकाश डालकर महिलाओं के दायित्व एवं कर्तव्यों का बोध करवाया गया। सभी ने इस बात पर बल दिया कि महिलाएं पुरुषों से स्पर्द्धा ना रखें अपितु अपने मौलिक संस्कारों को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़े। पूर्वी दिल्ली तेरापंथ कन्या मंडल ने एक बहुत ही सुंदर और भावविभोर कर देने वाली नाटिका की प्रस्तुति द्वारा मीरा, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, मदर टेरेसा, कल्पना चावला, सानिया मिर्जा, मैरी कॉम आदि नारियों की गौरव गाथा पर प्रकाश डाला।

साध्वी संगीत श्रीजी ने अपने मंगल उद्‌बोधन में नारी बिन नर का छोर कहाँ, इस उक्ति का उपयोग करते हुए कहा- आज महिलाएं मेहनत, लगन और दृढ़ निश्चय के साथ नित नई उपलब्धियों के परचम लहरा रही है और पूर्वी दिल्ली महिला मंडल की पूरी टीम की एकजुटता एवं कार्यकुशलता की प्रशंसा की। साध्वी मुदिता श्रीजी, साध्वी कमल विभाजी, साध्वी शांतिप्रभाजी ने अपनी अभिव्यक्ति में कहा कि बिजली चमकती है तो आकाश बदल देती है, आंधी उठती है तो दिन-रात बदल देती है। जब गरजती है नारी शक्ति तो, इतिहास बदल देती है। दिल्ली सभा अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया ने अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में जैन समाज के अतिरिक्त अन्य समाज की प्रबुद्ध बहिनें भी अच्छी संख्या में उपस्थित थी। इस अवसर पर दिल्ली, एनसीआर की सभी महिला मंडल की अध्यक्ष, मंत्री एवं सभी संघीय संस्थाओं के अध्यक्ष, मंत्री एवं टीम तथा विभिन्न क्षेत्रीय ज्ञानशाला टीम ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। स्थानीय मंत्री श्रीमती सुमन भंडारी ने कुशल संयोजन किया। कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती सरला दूगड़ एवं श्रीमती मंजू बांठिया के साथ-साथ क्षेत्रीय संयोजिकाएं श्रीमती अमिता बरड़िया, श्रीमती शिल्पा बाफना, श्रीमती कल्पना सुखानी व प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रमिला डागा का अनुकरणीय श्रम रहा। लगभग 800 लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफलता प्रदान की।

कार्यशाला में अभातेममं चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी, उपाध्यक्षद्वय श्रीमती सुमन नाहटा एवं श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, राकास श्रीमती पुष्पा बैद, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती मंजू भूतोड़िया, श्रीमती अर्चना भंडारी, श्रीमती प्रीति घोषल, श्रीमती नीतू पटावरी, श्रीमती कुसुम बैंगानी एवं श्रीमती अलका बैद आदि की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा एक कदम स्वच्छ भारत की ओर

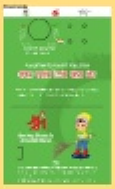
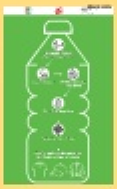

विभिन्न स्थानों पर Plastic Bottle Crushing Machine का उद्घाटन

2 अगस्त, 2024, गाँधीनगर, बंगलूरू। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में तेरापंथ महिला मंडल, बंगलूरू, गाँधीनगर के तत्वावधान में अपोलो हॉस्पिटल में 'स्वच्छ भारत अभियानः एक कदम स्वच्छता की ओर' के अंतर्गत प्लास्टिक क्रशिंग मशीन का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंडल की बहिनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने मंडल की चारों गतिविधियों के बारे में बताया और कहा कि प्लास्टिक क्रशिंग मशीन लगाने का उद्देश्य कैंसर जैसी भयानक बीमारियों से बचाना एवं वातावरण को स्वस्थ रखना, धरती को स्वच्छ रखना है। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने मशीन के संचालन की जानकारी देते हुए कहा कि इस तरह की मशीनें हमने कई स्थानों पर लगवाई है और आज यह एक और मशीन यहाँ स्थापित हो रही है। अपोलो हॉस्पिटल के वाइस प्रेसिडेंट श्री उदय देवड़ा ने मंडल के कार्यों की प्रशंसा की एवं भविष्य में मंडल के साथ कार्य करने की इच्छा जताई। डॉ. उदय ने चारित्रात्माओं का इलाज निःशुल्क करने की सहमति प्रदान की। कार्यक्रम में राकास श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती माला कातरेला, श्रीमती अनीता बरड़िया की गरिमामय उपस्थिति रही। अपोलो हॉस्पिटल में मशीन लगाने का श्रम संयोजिका उर्मिला डूंगरवाल का रहा। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती ज्योति संचेती ने किया व आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बोहरा ने किया।

2 अगस्त, 2024, विजयनगर, बंगलूरू।

तेरापंथ महिला मंडल, विजयनगर द्वारा **Plastic Bottle Recycling Machine** तेरापंथ सभा भवन, विजयनगर में लगाई गई, जिसका लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा किया गया। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए अभातेममं की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में राकास श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती माला कातरेला, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती अनीता बरड़िया की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्थानीय मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजू गादिया, मंत्री श्रीमती दीपिका गोखरू, स्थानीय तेरापंथी सभा के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश गाँधी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा एवं सभी सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

8 अगस्त, 2024, सिलीगुड़ी।

तेरापंथ महिला मंडल, सिलीगुड़ी द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत स्वच्छ भारत अभियान हेतु **Zero Fuel Incinerator Plastic Crushing Machine** का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा मर्यादा मैत्री भवन, राधा बाड़ी में किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती संगीता घोषल, मंत्री श्रीमती सुमन बैद, मंडल की बहिने, तेरापंथ सभा, तेयुप के पदाधिकारीगण की गरिमामय सहभागिता रही।

9 अगस्त, 2024, किशनगंज।

तेरापंथ महिला मंडल, किशनगंज द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत **#Solution to Plastic Pollution** के तहत प्लास्टिक रिसाइकल मशीन का भव्य उद्घाटन तेरापंथ भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अभातेयुप महामंत्री श्री अमित नाहटा, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष दुगड़ एवं टीम की गरिमामय उपस्थिति रही।

कन्या सुरक्षा बैंच

8 अगस्त, 2024, सिलीगुड़ी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेमम, सिलीगुड़ी द्वारा स्थानीय सदर अस्पताल में प्रदत्त कन्या सुरक्षा बैंच के 5 सेट का लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संगीता घोषल, मंत्री श्रीमती सुमन बैद, श्रीमती मंजू बैद व बहिनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

उपरोक्त सिलीगुड़ी एवं किशनगंज के कार्यक्रमों में अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी, राकास श्रीमती संगीता बाफना, श्रीमती अनुपमा नाहटा, श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती मनीषा बोथरा, श्रीमती सुचित्रा छाजेड़, श्रीमती राखी बैद की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

अभातेममं : संगठन सम्पर्क यात्रा

9 अगस्त, 2024, गुलाब बाग।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ बिहार के गुलाबबाग क्षेत्र की संगठन यात्रा की। संगठन यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र व प्रेरणा गीत से हुआ। स्थानीय तेमम अध्यक्ष श्रीमती शांता संचेती ने स्वागत वक्तव्य दिया। बिहार प्रभारी राकास श्रीमती सीमा बैद ने अपने गृह क्षेत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अभातेममं टीम का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने कहा कि आज की नारी हर कार्य में अपनी दक्षता के साथ हर क्षेत्र में सफल हो सकती है। संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी ने बताया कि किसी संस्था को संगठित रखने के लिए उस संस्था के सदस्यों में अपने कार्य के दायित्व बोध का होना आवश्यक है। बिहार प्रभारी श्रीमती मनीषा बोथरा ने मंडल की चारों योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राकास श्रीमती संगीता बाफना, श्रीमती अनुपमा नाहटा, श्रीमती सुचित्रा छाजेड़, श्रीमती राखी बैद की विशेष उपस्थिति रही। स्थानीय सभा अध्यक्ष श्रीमान सुशील संचेती, महासभा से श्रीमान नेमचंद बैद, अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्रीमान पंकज डागा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं टीम का स्वागत वक्तव्य के द्वारा किया।

अभातेममं द्वारा तेममं, गुलाब बाग को संगठन यात्रा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 95 बहिनों व भाइयों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए तेममं मंत्री श्रीमती रेखा डागा ने वीडियो के माध्यम से समस्त गतिविधियों की प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती किरण पुगलिया द्वारा किया गया।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध करने वाली शाखा मंडलों की सूचीः

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
1 अगस्त, 2024	सूरत	280	17 अगस्त, 2024	उदयपुर	23
1 अगस्त, 2024	मोमासर	5	17 अगस्त, 2024	टिटिलागढ़	2
2 अगस्त, 2024	राजाजीनगर, बंगलूरू	5	18 अगस्त, 2024	जसोल	10
3 अगस्त, 2024	राजनगर	36	19 अगस्त, 2024	हैदराबाद	16
4 अगस्त, 2024	महाड़ माणगाँव	11	19 अगस्त, 2024	इचलकरणजी	7
5 अगस्त, 2024	तेजपुर	5	20 अगस्त, 2024	विजयनगर बंगलूरू	15
6 अगस्त, 2024	साउथ कोलकाता	6	21 अगस्त, 2024	सेंट्रल दिल्ली	3
7 अगस्त, 2024	पचपदरा	21	22 अगस्त, 2024	कुर्ला मुम्बई	6
8 अगस्त, 2024	ठाणे	19	23 अगस्त, 2024	आसींद	4
8 अगस्त, 2024	डोंबीवली	23	24 अगस्त, 2024	वसई मुम्बई	10
9 अगस्त, 2024	गुवाहाटी	23	25 अगस्त, 2024	नोखा	15
9 अगस्त, 2024	टी दासरहल्ली	5	26 अगस्त, 2024	बीकानेर	20
10 अगस्त, 2024	धोइंदा	9	27 अगस्त, 2024	बाली बेलूर (वेस्ट बंगाल)	9
11 अगस्त, 2024	भयंदर	35	28 अगस्त, 2024	गांधीधाम	8
12 अगस्त, 2024	चेन्नई	28	29 अगस्त, 2024	केलवा	8
13 अगस्त, 2024	बंगाई गाँव (दक्षिण)	9	30 अगस्त, 2024	धुबड़ी (असम)	16
14 अगस्त, 2024	साउथ हावड़ा	70	31 अगस्त, 2024	फरीदाबाद	15
15 अगस्त, 2024	बुरहानपुर	5	31 अगस्त, 2024	कोयंबटूर	8
16 अगस्त, 2024	किशनगढ़	5	सभी बहिनों के प्रति हार्दिक अनुमोदना–साधुवाद।		

नारीलोक
प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

सितम्बर, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 66 से 99)

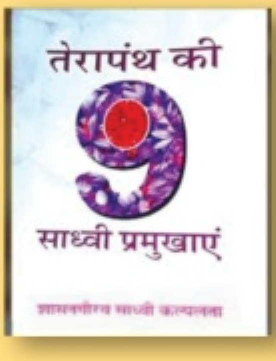

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. तेरापंथ धर्मसंघ में 22 दिन का चौविहार तप सर्वप्रथम किसने किया?
2. साध्वीप्रमुखा गुलाबांजी का स्वर्गवास कहाँ पर हुआ?
3. साध्वीप्रमुखा नवलांजी का जन्म कौनसी संवत में हुआ?
4. आचार्यश्री मधवागणी ने अपने अंतिम क्षणों में युवाचार्य पद का पत्र लिखा वह किनके हाथों में सौंपा?
5. साध्वीप्रमुखा गुलाबांजी को कितने प्रहर का चौविहार अनशन आया?
6. साध्वीप्रमुखा जेठांजी का संयम पर्याय कितने वर्ष का था?
7. आचार्य के साथ रहने वाले साधु-साध्वियों के वर्ग का मुखिया होता है उस वर्ग को क्या कहा जाता है?
8. उन्होंने (साध्वीप्रमुखाश्री जेठांजी) गुरुदृष्टि की सफल आराधना की। उनको गुरुदृष्टि आराधिका के रूप में याद करता हूँ। यह किसने स्मृति पत्र में लिखा?
9. साध्वीप्रमुखा नवलांजी का बाल्यावस्था में विवाह किसके साथ हुआ?
10. साध्वीप्रमुखा जेठांजी के माता का क्या नाम था?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. आचार्यश्री मधवा ने .... नामक कृति का निर्माण किया।
12. डालगणी ने अपना उत्तराधिकार-नियुक्ति का .... लिखा और लाडनूं सेवा केन्द्र वाली हवेलियों के सामने तिरबारे में लिखा।
13. जयाचार्यश्री द्वारा रचित .... की गीतिकाओं को सुनकर आत्मालोचन कर अपने आपको हल्का बनातीं।
14. आचार्यश्री माणकगणी का स्वर्गवास होने पर आचार्यश्री डालगणी माघ कृष्णा .... को संघ के सातवें आचार्य बने।
15. उन्होंने कहा 'गुरु आज्ञा सर्वोपरि है, तुम एकमात्र उसे .... मानकर चलना क्योंकि वही संयम आदि की अभिवृद्धि करने वाला है।'
16. स्वयं .... ने सैकड़ों व्यक्तियों को तेरापंथ का दर्शन समझाकर तेरापंथी बनाया।
17. साध्वीप्रमुखा जेठांजी में व्यवस्था कौशल के साथ .... और निष्पक्षता का महान गुण था।
18. नवलांजी के पिता का नाम .... गोलछा तथा माता का नाम चंदनाजी था।
19. आचार्यश्री .... की सन्निधि और सेवा में बिताए तीन साल उनके जीवन की विशिष्ट उपलब्धि का समय कहा जा सकता है।
20. सं. 1955 आषाढ़ कृष्णा पंचमी को दिन के दस बजे .... में साध्वीप्रमुखा नवल सती ने अंतिम सांस ली।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 सितम्बर, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/nUbMGHyKGdLsQ1Ht9

अगस्त, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. साध्वी मगदूजी पिंपलीवाला	2. सात	3. आगम	4. समिति- गुप्ति	5. महासती सरदारांजी
6. गुलाब सती	7. पौने पाँच प्रहर	8. पंडित गणेशपुरीजी	9. पाली	10. मुनिश्री अमीचंदजी
11. 1919	12. 20	13. 1908	14. निशीथ	15. 11
16. 1910	17. 23	18. 1927	19. 1909	20. 1901

अगस्त, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. अनुष्का समदड़िया, गुलाबबाग	2. नीलिमा, नीमच	3. पुनिता मरोठी, सिलीगुड़ी
4. डॉ. कांता छाजेड़, जयपुर शहर	5. मनाली जैन, तिरुपुर	6. ज्योति जैन, चैन्नई
7. बिंदिया भूरा, अररिया कोर्ट	8. निधि सेठिया, कोलकाता	9. रेखा बाफना, चित्रदुर्ग (कर्नाटक)
	10. पूजा राठौड़, कुर्ला, मुम्बई	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	तेरापंथ महिला मंडल, पूर्वी दिल्ली	1,21,000
2.	तेरापंथ महिला मंडल, विजयनगर (बंगलूरू)	1,00,000
3.	तेरापंथ महिला मंडल, किशनगंज	51,000
4.	तेरापंथ महिला मंडल, राजाजी नगर (बंगलूरू)	31,000
5.	श्रीमान अमित -श्रीमती चेतना वेदमूथा, बंगलूरू (भावना सेवा)	31,000
6.	तेरापंथ महिला मंडल, कोयंबटूर (भावना सेवा)	31,000
7.	तेरापंथ महिला मंडल, तिरुपुर (भावना सेवा)	21,000
8.	तेरापंथ महिला मंडल, इरोड (भावना सेवा)	21,000
9.	तेरापंथ महिला मंडल, कुन्नूर (भावना सेवा)	21,000
10.	तेरापंथ महिला मंडल, मदुरै (भावना सेवा)	21,000
11.	तेरापंथ महिला मंडल, शिवाकाशी (भावना सेवा)	14,200
12.	तेरापंथ महिला मंडल, सेलम (भावना सेवा)	11,000
13.	तेरापंथ महिला मंडल, इस्लामपुर (भावना सेवा)	11,000
14.	तेरापंथ महिला मंडल, खुश्किबाग (भावना सेवा)	5,100
15.	श्रीमती प्रेम देवी जैन, तिरुपुर (भावना सेवा)	5,100

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला- नागौर, राजस्थान)

नारीलोक

महामंत्री कार्यालय

महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु

www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय

कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com